पाठ्यक्रम

संगीत (स्वर) पेपर 2

यूनिट - I

1. विद्वानों का योगदान और उनकी पाठ्य परंपरा: भरत, दत्तिल, मातंग, नारद, जयदेव, शारंगदेव, सुधाकलश, नान्यदेव, पार्श्वदेव, लोचन, महाराणा कुंभा, रामामात्य, पुंडरीक-विट्ठल, सोमनाथ, दामोदर, व्यंकटमाखी, अहोबल, हृदय नारायण देव, श्रीनिवास, पं. भातखंडे, पं. वी.डी. पलुस्कर, पं. ओंकारनाथ ठाकुर, के.सी.डी. बृहस्पति, डॉ. प्रेमलता शर्मा।
2. त्रिमूर्ति का योगदान- त्यागराज, मुत्तुस्वामी दीक्षितारा, श्यामा शास्त्री।
3. महान गायक तानसेन, अमीर खुसरो, बड़े गुलाम अली खां, यू.टी. का जीवन परिचय एवं योगदान। फैयाज खान, पं. भीमसेन जोशी, विनायक राव पटवर्धन, अब्दुल करीम खान, उ.प्र. अल्लादिया खां, मलिकार्जुन मंसूर, राजा भैया पूछ वाले, डागर बंधु, केशर बाई केरकर, उ.प्र. आमिर खान, यू.टी. अमन अली खान, बेगम अख्तर, कुमार गंधर्व, किशोरी अमोनकर, पं. जसराज, गिरिजा देवी, एम.एस सुब्बुलक्ष्मी, लता मंगेशकर।

यूनिट - II

1. जाति-गायन, प्रबंध, ध्रुव, ध्रुपद, ख्याल, धमार, ठुमरी, टप्पा, तराना, चतुरंग, त्रिवत, दादरा, सदरा, लक्षणगीत, सरगम गीत, रागमाला, गजल और कव्वाली का ऐतिहासिक अध्ययन।
2. स्वर संगीत के विभिन्न घरानों- ध्रुवपद, ख्याल और ठुमरी की परंपरा और विशेषता का अध्ययन।
3. प्राचीन काल से आधुनिक काल तक रागों के वर्गीकरण का विस्तृत अध्ययन। हिंदुस्तानी संगीत का समय सिद्धांत (समय-सिद्धांत)।
4. अष्टांग गायकी, खंड-मेरु या मेरुखंड स्वप्रस्तार और नष्टउद्दिष्ट क्रिया के बारे में ज्ञान।

यूनिट-III

1. निम्नलिखित रागों का तुलनात्मक और आलोचनात्मक अध्ययन- भूपाली-देशकर, कामोदछायनुत, हमीर-केदार, श्याम कल्याण-शुद्ध सारंग, तिलक कामोद-देस, बागेशरीरागेश्री, भीमपलासी-पटदीप, आसवरी-जौनपुरी, मालकौंस-चंद्रकौंस, भटियारभांखर, दरबारी-अडाना, मियां की तोड़ी-मुल्तानी, मियां मल्हार-बहार.

2. रागांग के अनुसार रागों का अध्ययन

a) कल्याण - श्याम कल्याण, पूरिया-कल्याण, शुद्ध कल्याण।

b) बिलावल- अल्हैया बिलावल यामानी बिलावल, देवगिरी बिलावल, सरपरदा बिलावल।

c) सारंग- मध्यमाद सारंग, मियां-की-सारंग, लंकदहन सारंग।

d) भैरव- अहीर भैरव, नट भैरव, शिवमत भैरव।

e) कान्हड़ा- नायकी कान्हड़ा, कौंसी कान्हड़ा, अभोगी कान्हड़ा

f) खमाज- जैजैवंती, तिलंग, झिंझोटी।

g) मल्हार- सूरदासी-मल्हार, रामदासी मल्हार, मेघ मल्हार

h) बिहाग- बिहागड़ा, नट बिहाग, मारू बिहाग।

i) कौन्स- जोगकौंस, मधुकौंस, चंद्रकौंस।

j) टोडी-गुर्जरी टोडी, भूपाल टोडी, मुल्तानी।

k) पूर्वी - श्री, बसंत, परज।

l) मारवा- सोहनी, पुरिया, भटियार।

3. समस्त आश्रय राग का सामान्य अध्ययन। राग का अध्ययन: यमन, दुर्गा, शंकर, नंद, हिंडोल, हंसध्वनि, वृंदावनी, सारंग, गौड़-सारंग, गोरख-कल्याण, जोग, पुरिया- धनश्री, ललित, विभास, गुंकाली, जोगिया, कलिंगदा, रामकली, गौरी, हंसकिन्किनी, नारायणी, देसी, कलावती, मधुवंती, बिलासखानी।

यूनिट IV

1. मार्गी और देशी ताल, 'ताल के दस प्राण', हिंदुस्तानी और कर्नाटक ताल प्रणाली।
2. निम्नलिखित तालों का तुलनात्मक एवं समीक्षात्मक अध्ययन - पश्तो, तीवरा, रुद्र, मणि, एकताल, चौताल, सूलताल, शूलफक्ता, अदाचौताल, दीपचंदी, धमार, झुमरा, गज-झंपा, पंजाबी, जट्ट-ताल, शिखर, मत्त-ताल, लक्ष्मी, ब्रह्म ताल।
3. तानपुरा, तबला, पखावज की ट्यूनिंग और उनकी तकनीक। तानपुरा द्वारा उत्पन्न हार्मोनिक्स (स्वयंभू स्वर) का अध्ययन। तबले के विभिन्न 'बाज़ों' के बारे में सामान्य विचार।
4. प्राचीन काल से आधुनिक काल तक भारतीय संगीत शिक्षा प्रणाली का अध्ययन। घराना और संस्थागत शिक्षा प्रणाली। संगीत में आनुवंशिकता और पर्यावरण.

यूनिट - V

1. भारत में प्रमुख भारतीय शास्त्रीय संगीत सम्मेलन और पुरस्कार।
2. संगीत के विकास में संगीत नाटक अकादमी, दूरदर्शन और आकाशवाणी का योगदान। भारत सरकार, संस्कृति मंत्रालय और संगीत क्षेत्र के लिए विभिन्न अकादमियों द्वारा किए गए कार्यों और वित्तीय सहायता योजनाओं का ज्ञान।
3. भारत के मुख्य शास्त्रीय नृत्यों- भरतनाट्यम, कथक, कथकली, मणिपुरी, ओडिसी, सत्रिया, कुचिपुड़ी और मोहिनीअट्टम का प्रारंभिक ज्ञान।
4. राजस्थानी लोक संगीत के विशेष संदर्भ में विभिन्न क्षेत्रों के लोक संगीत का सामान्य अध्ययन। भारतीय शास्त्रीय संगीत पर लोक संगीत का प्रभाव और इसके विपरीत